दिल्ली विकास प्राधिकरण के बायोडायवर्सिटी पार्क-प्रकृति की दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण स्थल

क्या आपने कभी विभिन्न प्रजातियों के छोटे-छोटे जीव-जंतुओं से लेकर बडे-बडे स्तनपायी जीवों या उप-उष्णकटिबंधीय सदाबहार जंगल से लेकर घने कंटीले वनों के इको सिस्टम को देखने के बारे में सोचा है? यदि नहीं, तो इसके बारे में अवश्य सोचे और इन स्थलों का भ्रमण करें।

प्रकृति के सुन्दर हरे-भरे संरक्षण स्थल-दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्क विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों तथा पशुओं के लिए एक पर्यावास स्थल है। विदेशी प्रवासी पक्षियों तथा पौधों एवं पशुओं की दुर्लभ प्रजातियां यहां के ऐसे आकर्षण हैं जो आपको विस्मित कर देंगे।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क के दलदल में फेजेंट टेल्ड जकाना

दिल्ली विकास प्राधिकरण (दि.वि.प्रा.) द्वारा विकसित यमुना एवं अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क इस आकर्षण के ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं जो दिल्ली के प्राकृतिक गौरव को बढ़ाते हैं।

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने यमुना एवं अरावली बायोडायवर्सिटी पार्कों का विकास सेंटर फोर एनवायरमेंट मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम्स (सी.ई.एम.डी.इ) के सहयोग से किया है। ये पार्क भारत में अपनी किस्म के ऐसे पहले उद्यान हैं जो उन देशी पेड-पौधो एवं जीव-जंतुओं की सैंकडों लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण स्थल हैं, जो लगभग 100 वर्ष पहले विद्यमान थी तथा स्थानीय रूप में अब लुप्त हो चुकी हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण क्षेत्रीय पार्कों, जिला पार्कों, हरित पट्टियों तथा अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले निकटवर्ती हरे-भरे क्षेत्रों के विभिन्न हरे-भरे स्थलों का विकास करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दि.वि.प्रा. अपने बायोडायवर्सिटी पार्कों का विकास, जलाशयों का नवीनीकरण, झीलों का पुनरूद्धार कार्य, दिल्ली की जीवन-प्रणालियों की लुप्त प्राकृतिक विरासत को पुनःस्थापित करने के उद्देश्य के साथ निरंतर प्रयास करता रहता है।

दि.वि.प्रा. के बायोडायवर्सिटी पार्क-यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क 457 एकड़ में फैला है, जो यमुना के आस-पास प्राकृतिक पर्यावरण के परिरक्षण को समर्पित है। यह पार्क जैविक दृष्टि से प्रचुर नम भूमि, विभिन्न प्रकार के फल देने वाले वृक्षों की प्रजातियों, घासस्थल तथा औषधियों, जड़ी-बूटियों का स्थल बन गया है। यहां के दर्शक जोन तथा प्राकृतिक संरक्षण स्थल इस उद्यान की दो बड़ी विशेषताएं हैं। पार्क के प्रवेश द्वार के दाईं ओर स्थित "वेलकम रॉक फैसेट" गंगा एवं यमुना के उद्गम स्थल की तथा इलाहाबाद में उनके संगम की झलक देता है। बम्बूसेतम की ओर जाने वाली पगडंडी, प्रकृति व्याख्या केन्द्र, तितली उद्यान तथा आयुर्वेदिक वाटिका आदि देखने योग्य स्थल हैं। प्रकृति व्याख्या केन्द्र का भवन आकर्षक है एवं लाल कालीन बिछे तल, आकर्षक आतंरिक सज्जा, टच स्क्रीन्स, दृश्य साधनों तथा विभिन्न बायोडायवर्सिटी स्तरों की झलक देने वाले पैनल बायोडायवर्सिटी की अनेक संकल्पनाओं की पूरी जानकारी देते हैं। पार्क के बाईं ओर भू-दृश्यांकन वाली दो सतही घाटी है जो 10 टीलों वाली पर्वतमाला की द्योतक है और यमुना घाटी से होते हुए हिमालय (शिवालिक) के गिरिपीठ से लेकर यमुना-गंगा के संगम तक की झलक देता है। जब आप पार्क के घुमावदार मार्ग से होकर जाएंगें तो आपको वहां कूदते हुए खरगोश दिखाई देंगे और इतना ही नहीं इनके अलावा आप टिटहरी पक्षी तथा अन्य विदेशी पक्षियों को भी देख सकते है। पार्क की पश्चिम दिशा में स्थित तितली संरक्षण स्थल के निकास द्वार पर आप बतख झील तथा विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी अनेक मछलियां देख सकते हैं। यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क दिल्ली का एक अत्यधिक भ्रमणशील आकर्षक स्थल है तथा यहां प्रकृति की सम्पन्न विरासत के अध्ययन तथा उसे समझने के एक प्रसिद्ध केन्द्र के रूप में उभर रहा है। इस पार्क में निम्नलिखित स्थानों से आसानी से पहुंचा जा सकता है :- (i) भजनपुरा से होते हुए पूर्वी दिल्ली की ओर से (ii) अ.रा.ब.अ. कश्मीरी गेट से होते हुए दक्षिण तथा मध्य दिल्ली की ओर से (iii) बुराड़ी होते हुए उत्तरी दिल्ली की ओर से। यह बायोडायवर्सिटी पार्क कनॉट प्लेस के उत्तर-पूर्व से 15 कि.मी. तथा अ.रा.ब.अ. के उत्तर में 4 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

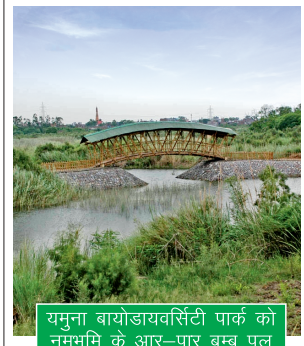

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क को नमभूमि के आर-पार बम्बू पुल

विकसित किए जा रहे बायोडायवर्सिटी पार्क

1. उत्तरी रिज, क्षेत्रफल लगभग 87 हैक्टेयर, स्थान : दिल्ली विश्वविद्यालय के पास।
2. तिलपथ घाटी-क्षेत्रफल लगभग 70 हैक्टेयर, स्थान : सैनिक फार्म के पास।
3. यमुना नदी तट (ओ जोन), क्षेत्रफल लगभग : 9770 हैक्टेयर (बायोडायवर्सिटी एवं मनोरंजन क्षेत्र)।
4. नीला हौज़-क्षेत्रफल लगभग 3.90 हैक्टेयर, स्थान : दक्षिण - मध्य रिज के पास, अरूणा आसफ अली - मार्ग के समानांतर।

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क 692 एकड क्षेत्र में फैला हुआ है। यह वंसत विहार के निकट स्थित है। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क का भूदृश्यांकन उथली घाटियों सहित लहरदार है। यहां उभार वाली रिज एवं समतल क्षेत्र भी है और कहीं-कहीं विविध प्रकार के समोच्च रेखाओं के घनित गड्ढ़े है। ये आपको विस्मित कर देते हैं। यहां दो प्रमुख जोन (i) आंगुतक जोन और (ii) प्रकृति आरक्षण जोन हैं। आप जैसे ही उद्यान में प्रवेश करेगें तो पूर्वी मार्ग गेट के समीप वृक्षों की विभिन्न प्रजातियां जैसे मधुका लोंगिफोलिया (महुआ), डायोस्पायरस मेलेनोक्सिलोन (तेंदू) इत्यादि जैसे पर्णपाती वृक्ष दिखाई देंगे। आप वास्तव में 40-50 फीट ऊँचे स्थानीय वृक्षों की पूर्णतः विकसित केनोपि देखकर आश्चर्यचकित रह जाएगें। पार्क से निकलते समय आपको ब्लैक ब्रेस्टेड रेडस्टार्ट, एशी प्रिनिया जैसे विभिन्न प्रकार के पक्षी दिखाई देंगे। आगंतुक जोन में वनस्पति वाटिका, श्रंखला भूमि, झील इको सिस्टम, तटवर्ती वनस्पति वाली नमभूमि आदि की व्यवस्था की गई है। विभिन्न प्रकार के फलों की प्रजातियों की संरक्षण स्थली, विविध पत्तियों की संरक्षण स्थली, इत्यादि पार्क के मुख्य आकर्षण हैं। पार्क में रंग-बिरंगी तितलियों के संरक्षण स्थल, टयूबरस और बल्बस जैसी आकर्षक प्रजातियां हैं। यहां लहरदार जलाशय स्थानीय बतखों और जल की वनस्पति को पोषित करते हैं। कार्यालय परिसर के समीप पगडण्डी एम्फीथिएटर से होती हुई उथली संरक्षण घाटी और औषधीय वृक्षों के बीच में से होकर निकलती है। सीढ़ियों के समीप तितलियों के संरक्षण की झाड़ियों में 30-40 प्रकार की हजारों रंग-बिरंगी तितलियां देख सकते हैं। दक्षिणी मध्य रिज पर स्थित अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क उत्तर से पूर्व की दिशा से जे.एन.यू. (नेलसन मंडेला मार्ग), महरौली-महिपालपुर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग-8 और पालम रोड तथा वसंत विहार की दक्षिणी सीमा से घिरा हुआ है। आप इस बायोडायवर्सिटी पार्क में मोती बाग के दक्षिण-पश्चिम से और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (मुनीरका) से 4 कि.मी. दूर वसंत विहार-पूर्वी मार्ग गेट से अथवा महिपालपुर के उत्तर में 3.5 कि.मी. एवं वसंतकुंज मॉल के पश्चिम में 1 कि.मी. दूर वसंतकुज सांस्थानिक गेट से पहुंच सकते हैं।

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क की नमभूमि में जल-कृषि

बायोडायवर्सिटी पार्कों का भ्रमण करने के कारण

1. बायोडायवर्सिटी पार्क अपनी किस्म के अनूठे उद्यान हैं, जो जैविक समुदायों के प्राकृतिक संसाधनों तथा इको सिस्टम्स के संरक्षण का स्थल हैं।
2. आप आनंदायक नदी-तट पर टहलने का मोह नहीं छोड सकते।
3. बायोडायवर्सिटी पार्कों के थीम गार्डन अनोखे हैं, जहां सभी आयु वर्गों के व्यक्तियों को प्रकृति का उसके वास्तविक रूप में आनंद लेने की सुविधा है।
4. बायोडायवर्सिटी पार्क पारिस्थितिक शिक्षा के अवसर देते हैं जहां उद्यान के खुले क्षेत्र में विभिन्न थीम्स पर आधारित अभियान स्थलों, सेमीनारों, वर्कशॉप तथा प्रदर्शनियों में आप भाग लेने के साथ-साथ ज्ञान भी प्राप्त कर सकते हैं।
5. पेड-पौधों एवं जीव-जंतुओं की विभिन्न किस्में भ्रमणकारियों के ज्ञान-स्तर को व्यापक सीमा तक बढ़ाएंगी।